CBSE Class 6 Social Science Important Questions History Chapter 3 आरंभिक नग

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
हड़प्पा सभ्यता के शहरों का निर्माण कब हुआ?
उत्तर:
हड़प्पा सभ्यता के शहरों का तिर्माण लगभग 4700 वर्ष पहले हुआ।

प्रश्न 2.
हड़प्पा सभ्यता के दो नगरों के नाम बताइये, जहाँ अग्निकुण्ड मिले हैं।
उत्तर:

- कालीबंगा
- लोथल।

प्रश्न 3.
हड़प्पा सभ्यता के किन्हीं चार नगरों के नाम दीजिये।
उत्तर:

1. हड़प्पा
2. मोहनजोदड़ो
3. कालीबंगा
4. लोथल।

प्रश्न 4.
हड़प्पा सभ्यता के नगर उपमहाद्वीप के किन क्षेत्रों में मिले हैं?
उत्तर:
ये नगर आधुनिक पाकिस्तानके पंजाब और सिंध प्रान्तों, भारत के गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब प्रान्तों में मिले हैं।

प्रश्न 5.
शिल्पकार क्या करते थे?
उत्तर:
शिल्पकार अपने घरों या किसी उद्योग - स्थल पर तरह - तरह की चीजें बनाते थे।

प्रश्न 6.
पत्थर के बाट कौनसे पत्थर से बनाये गये थे?
उत्तर:
पत्थर के बाटों को चर्ट पत्थर से बनाया गया था।

प्रश्न 7.
हड़प्पा के नगरों से मिली सबसे आकर्षक वस्तुएँ कौनसी हैं?
उत्तर:
हड़प्पा के नगरों से मिली सबसे आकर्षक वस्तुएँ मनके, बाट और फलक हैं।

प्रश्न 8.
मेहरगढ़ में कितने वर्ष पूर्व कपास की खेती की जाती थी?
उत्तर:
लगभग 7000 साल पहले मेहरगढ़ में कपास की खेती की जाती थी।

प्रश्न 9.
विशेषज्ञ किसे कहते हैं?
उत्तर:
विशेषज्ञ उसे कहते हैं जो किसी खास चीज को बनाने के लिए खास प्रशिक्षण लेता है।

प्रश्न 10.
हड़प्पा सभ्यता की विशेषज्ञता के कार्य के कुछ उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

- पत्थर तराशना
- मनके चमकाना
- मुहरों पर पच्चीकारी करना।

प्रश्न 11.
हड़प्पा के लोग किन चीजों का आयात करते थे?
उत्तर:
हड़प्पा के लोग तांबा, लोहा, सोना, चांदी और बहुमूल्य पत्थरों जैसे पदार्थों का दूर - दूर से आयात करते थे।

प्रश्न 12.
हड़प्पा के नगरों में रहने वाले लोगों को भोजन कौन उपलब्ध कराते थे?
उत्तर:
किसान और चरवाहे नगरों में रहने वाले शासकों, लेखकों और दस्तकारों आदि को भोजन उपलब्ध कराते थे।

प्रश्न 13.
मिस्र का अधिकांश भाग कैसा है?
उत्तर:
मिल का अधिकांश भाग रेगिस्तान है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
5000 साल पहले मित्र के राजाओं ने अपनी सेनाएँ दूर - दूर तक क्यों भेजी?
उत्तर:
मित्र के राजाओं ने सोना, चांदी, हाथीदांत, लकड़ी और हीरे - जवाहरात लाने के लिए अपनी सेनाएँ दूर - दूर तक भेजी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
हड़प्पा सभ्यता की अनेक इमारतें पूरी तरह नष्ट कैसे हो गई?
उत्तर:

1. लगभग 150 वर्ष पहले पंजाब में पहली बार रेलवे लाइन बिछाने के समय इंजीनियरों को अचानक हड़प्पा पुरास्थल मिला जो कि आधुनिक पाकिस्तान में है।
2. अच्छी ईंटें होने के कारण वे हड़प्पा के खण्डहरों से हजारों इंट उखाड़ ले गये जिससे उन्होंने रेलवे लाइनें बिछाई। इससे कई इमारतें पूरी तरह नष्ट हो गई।

प्रश्न 2.
उपमहाद्वीप की प्राचीन सभ्यता के पुरास्थलों से मिलने वाली इमारतों को हड़प्पा सभ्यता की इमारतें क्यों कहा जाता है?
उत्तर:
उपमहाद्वीप की प्राचीन सभ्यता में सबसे पहले हडप्पा नगर की खोज हुई। इसलिए बाद में मिलने वाले इस तरह के सभी पुरास्थलों में जो इमारतें और चीजें मिलीं, उन्हें हड़प्पा सभ्यता की इमारतें कहा गया।

प्रश्न 3.
हडप्पा के पुरास्थलों से पुरातत्वविदों को क्या अनोखी वस्तुएं मिली हैं?
उत्तर:
हड़प्पा के पुरास्थलों से पुरातत्वविदों को अनेक अनोखी वस्तुएँ मिली हैं, जैसे मिट्टी के लाल बर्तन जिन पर काले रंग के चित्र बने थे, पत्थर के बाट, मुहरें, मनके, ताँबे - काँसे के उपकरण और पत्थर के लंबे ब्लेड, मुहरें, आदि।

प्रश्न 4.
मोहनजोदड़ो में मिले महान् स्नानागार का वर्णन कीजिये।
उत्तर:
मोहनजोदड़ो का महान् स्नानागार:

1. मोहनजोदड़ो में एक खास तालाव बनाया गया था, जिसे पुरातत्वविदों ने महान स्नानागार कहा है।
2. इस तालाब को बनाने में ईंट और प्लास्टर का इस्तेमाल किया गया था।
3. इसमें पानी का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टर के ऊपर चारकोल की परत चढ़ाई गई थी।
4. इस सरोवर में दो तरफ से उतरने के लिए सीढ़ियाँ बनाई गई थी, और चारों ओर कमरे बनाए गए थे।
5. इसमें भरने के लिए पानी कुएँ से निकाला जाता था, उपयोग के बाद इसे खाली कर दिया जाता था।
6. शायद यहाँ विशिष्ट नागरिक विशेष अवसरों पर स्नान किया करते थे।

प्रश्न 5.
हड़प्पा सभ्यता में प्राप्त मनकों का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
हड़प्पा के पुरास्थलों से अनेक आकर्षक मनके प्राप्त हुए हैं। इनमें से कई कानीलियन पत्थरों से बनाए गए थे। पत्थरों को काट और तराशकर मनके बनाए गए। इनके बीच छेद किए गए थे ताकि धागा डालकर माला बनाई जा सके।

प्रश्न 6.
फ़ेयन्स को किस प्रकार तैयार किया जाता है? इससे क्या बनाये जाते थे?
उत्तर:
फ़ेयन्स - फेयन्स को कृत्रिम रूप से तैयार किया जाता है। बालू या स्फटिक पत्थरों के चूर्ण को गोद में मिलाकर उनसे वस्तुएँ बनाई जाती थीं। उसके बाद उन वस्तुओं पर एक चिकनी परत चढ़ाई जाती थी। इस चिकनी परत के रंग प्राय: नीले या हल्के समुदी हरे होते थे। यह एक तरह से चीनी-मिट्टी जैसा होता था। फेयन्स से मनके, चूड़ियाँ, बाले और छोटे बर्तन बनाए जाते थे।

प्रश्न 7.
कच्चा माल किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइये।
उत्तर:
कच्चा माल उन पदार्थों को कहते हैं जो या तो प्राकृतिक रूप से मिलते हैं या फिर किसान या पशुपालक उनका उत्पादन करते हैं, जैसे लकड़ी या धातुओं के अयस्क प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कच्चे माल हैं। इनसे फिर कई तरह की चीजें बनाई जाती हैं। इसी प्रकार किसानों द्वारा पैदा किए गए कपास को कच्चा माल कहते हैं, जिससे बाद में कताई - बुनाई करके कपड़ा तैयार किया जाता है।

प्रश्न 8.
हड़प्पा के लोग धातुओं तथा बहुमूल्य पत्थरों का आयात किन प्रदेशों से करते थे?
उत्तर:

1. हड़प्पा के लोग ताँबे का आयात सम्भवतः आज के राजस्थान से करते थे। पश्चिम एशियाई देश ओमान से भी तवे का आयात किया जाता था।
2. कासा बनाने के लिए ताबे के साथ मिलाई जाने वाली धातु रिन का आयात आधुनिक ईरान और अफगानिस्तान से किया जाता था।
3. सोने का आयात आधुनिक कर्नाटक से किया जाता था।
4. बहुमूल्य पत्थर का आयात गुजरात, ईरान और अफ़गानिस्तान से किया जाता था।

प्रश्न 9.
हड़प्पा सभ्यता में प्रचलित कृषि का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
उत्तर:

1. हड़प्पा सभ्यता के लोग गेहूँ, जौ, दालें, मटर, धान, तिल और सरसों उगाते थे।
2. जमीन की जुताई के लिए हल का प्रयोग किया जाता था। हड़प्पा काल के हल प्रायः लकड़ी से बनाए जाते थे। वहाँ से हल के आकार के खिलौने मिले हैं।
3. इस क्षेत्र में बारिश कम होती है, इसलिए सिंचाई के लिए लोगों ने कुछ तरीके अपनाए होंगे। संभवता: पानी का संचय किया जाता होगा और जरूरत पड़ने पर उससे फसलों की सिंचाई की जाती होगी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 10.
हड़प्पा के लोग भोजन प्राप्ति हेतु कृषि के अतिरिक्त और क्या करते थे?
उत्तर:
भोजन प्राप्ति हेतु कृषि के अतिरिक्त हड़प्पा के लोग गाय, भैंस, भेड़ और बकरियों पालते थे। बस्तियों के आसपास तालाब और चरागाह होते थे। लेकिन सूखे महीनों में मवेशियों के झंडों को चारा - पानी की तलाश में दूर - दूर तक ले जाया जाता था। वे बेर जैसे फलों को इकट्ठा करते थे, मछलियाँ पकहते थे और हिरण जैसे जानवरों का शिकार भी करते थे।

प्रश्न 11.
लोथल के बन्दरगाह का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
उत्तर:
लोथल गुजरात की खम्भात की खाड़ी में साबरमती नदी की एक उपनदी के किनारे बसा था। यहाँ एक बड़ा तालाब मिला है। यह बड़ा तालाब लोथल का बन्दरगाह रहा होगा, जहाँ समुद्र के रास्ते आने वाली नावें रुकती थीं। संभवत: यहाँ पर माल चढ़ावा - उतारा जाता होगा।

प्रश्न 12.
मुहरबन्दी किसे कहते हैं? हड़प्पा सभ्यता में मुहरबन्दी क्यों प्रचलित थी?
उत्तर:
मुहर की छाप को मुहरबन्दी कहते हैं। हड़प्पा सभ्यता में मुहरबन्दी का प्रयोग सामान से भरे उन डिब्बों या थैलों को चिह्नित करने के लिए किया जाता था, जिन्हें एक जगह से दूसरी जगह भेजा जाता था। थैले को बंद करने के बाद उनके मुहानों पर गीली मिट्टी पोत कर उन पर मुहर लगाई जाती थी। अगर वह छाप टूटी हुई नहीं होती थी, तो यह साबित हो जाता था, कि सामान के साथ छेड़छाड़ नहीं हुई है।

प्रश्न 13.
लगभग 3900 साल पहले हड़प्पा सभ्यता में क्या परिवर्तन आये? वर्णन कीजिए।
उत्तर:
लगभग 3900 साल पहले हड़प्पा सभ्यता में निम्नलिखित परिवर्तन आये:

- अचानक लोगों ने इन नगरों को छोड़ दिया।
- लेखन, मुहर और बाटों का प्रयोग बंद हो गया।
- दूर - दूर से कच्चे माल का आयात काफी कम हो गया।
- मोहनजोदड़ो में सड़कों पर कचरे के ढेर बनने लगे। जलनिकास प्रणाली नष्ट हो गई और सड़कों पर ही झुग्गीनुमा घर बनाए जाने लगे।
- आधुनिक पाकिस्तान के सिंध और पंजाब की बस्तियाँ उजड़ गई थीं। कई लोग पूर्व और दक्षिण के इलाकों में नई और छोटी बस्तियों में जाकर बस गये।

प्रश्न 14.
हड़प्पा सभ्यता के अन्त के क्या कारण थे? समझाइये।
उत्तर:
हड़प्पा सभ्यता के अन्त के कारण अभी तक अज्ञात हैं। लेकिन विद्वानों ने इसके लिए निम्न कारण बताये हैं:

- नदियाँ सूख गई थीं।
- ईंटें पकाने के लिए ईंधन की जरूरत पड़ती थी। इससे जंगलों का विनाश हो गया था।

- इसके अलावा मवेशियों के बड़े - बड़े झंडों से चरागाह और पास वाले मैदान समाप्त हो गए होंगे।
- कुछ इलाकों में बाढ़ आ गई।
- शासकों का नियंत्रण समाप्त हो गया।

प्रश्न 15.
पिरामिड के बारे में आप क्या जानते हैं? वर्णन कीजिये।
उत्तर:

1. लगभग 5000 वर्ष पहले मिस्र के शासकों ने बड़े - बड़े मकबरे बनवाए जिन्हें पिरामिड के नाम से जाना जाता है।
2. राजाओं के मरने पर उनके शवों को इन्हीं पिरामिडों में दफनाकर सुरक्षित रखा जाता था। इन शवों को ममी कहा जाता है।
3. इनके शवों के साथ - साथ खाद्यान्न, पेय, वस्त्र, गहने, बर्तन, वाद्ययंत्र, हथियार और जानवरों तथा कभी - कभी उनके सेवक और सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

https://www.evidyarthi.in/